1277/2017

प्रपत्र संख्या 29 (नियम 12)
अन्वेषण का प्रमाण पत्र की संख्या
198 के प्रमाण पत्र की संख्या
198 के प्रार्थना पत्र की संख्या

श्री टेम सिंह सिरोही एड मथुरा

ने मेरे पास नीचे उल्लिखित सम्पति क पत्र-देने के लिये प्रार्थना पत्र दिया है । सम्पति का विवरण प्रार्थना पत्र में उल्लिखित के अनुसार दिया जायेगा । आराजी खतौनी खाता सं० 439 51

आवेदक आसमान तक ... कालका जी नई दिल्ली डायरेक्टर प्रवीन मेहता S/O श्री दीवान चन्द मेहता ... 330 सैक्टर 7 A फरीदाबाद

खसरा नम्बर 586 रकबा 0-894 हे०
खसरा नम्बर 577 रकबा 2-116 हे०
मौजा सुनरख बांगर
व खसरा नम्बर 574 रकबा 0.757 हे०

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि उक्त सम्पति हर प्रभाव डालने वाले कार्यो तथा तत्सम्बन्धी भार प्रस्तावों के लिये वर्ष 23/7/2005 से 21/7/17 तक प्रस्तुत तथा अनुक्रमणिकाओं का अन्वेषण किया गया है और ऐसे अन्वेषण से निम्नलिखित कार्य भार ग्रस्तता प्रकट होता है ।

सम्पति का विवरण जैसा लेक्ष्य में दिया है ।	निष्पादन का दिनांक	लेखा का प्रकार तथा मूल्य	पक्षकारों के नाम निष्पादन अलटमेन्ट	प्रविष्ट संख्या वर्ष
		Nil		

मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उपोरक्त कार्यो तथा ग्रस्तताओं के अतिरिक्त उक्त सम्पति जो प्रसावित करने वाला कोई अन्य भार प्रस्तुता प्राप्त नही हुई है ।

1- इस प्रमाण में प्रदर्शित वे भार ग्रस्तिताऐं है जो कि प्रार्थी द्वारा वर्णित सम्पति के विवरण से अभिन्न है । यदि निबधन अभिलेखों में सम्पति का विवरण अपने से भिन्न रीति से दिया गया है जैसा प्रार्थी ने नही लिखा है तो उस स्थिति में वैसी भार ग्रस्तियों का प्रमाण पत्र में समावेश नही किया जायेगा ।

2- वाछिंत अन्वेषण व प्रमाण-पत्र यथा सम्भव सावधानी पूर्वक कार्यालय द्वारा तैयार किया गया है । फिर भी विभाग किसी भी अन्वेषण प्रमाण-पत्र की त्रुटि अथवा इसके परिणामों के लिये उत्तरदायी नही है ।

विभाग किसी भी अन्वेषण प्रमाण-पत्र की त्रुटि अथवा इसके परिणामों के लिये उत्तरदायी नही है । किन्तु जिसका निबंधन हो गया है के सम्बन्ध मे भार ... में से ... हो जो प्रस्तुत हो गये है

प्रभारी अभिलेखागार
(का०उ०नि० II मथुरा

4